प्रगटे हैं चारों भैया में अवध में बाजे बधईया

प्रगटे हैं चारों भैया में, अवध में बाजे बधईया ।

जगमगा जगमग दियाला जलत है,
झिलमिल होत अटरिया, अवध में बाजे बधईया ॥

कौन लुटावे हीरा मोती,
कौन लुटावे रूपया, अवध में बाजे बधईया ॥

राजा लुटावे हीरा मोती,
मैया लुटावे रूपया, अवध में बाजे बधईया ॥

झांझ मृदंग ताल डप बाजे
नाचत ता ता थैया, अवध में बाजे बधईया ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/234/title/pragte-hain-charo-bhaiya-avadh-me-baaje-badhiya-raam-bhajan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |